

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
(Name) _____
2. (Signature) _____
(Name) _____

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

N 0 3 3 1 7

PAPER - II
DOGRI

[Maximum Marks : 100

Time : 1¼ hours]

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
 - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. Use only Blue/Black Ball point pen.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There are no negative marks for incorrect answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
 - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही प्रयोग करें।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।



DOGRI
डोगरी
Paper - II
प्रश्नपत्र - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

नोट : इस पेपर च **पंजाह (50)** मते विकल्पी सुआल न। हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न। **सभनें** सुआलें दे परते देओ।

1. वर्णनात्मक भाशाविज्ञान :

- (a) भाशा दे सपूरे विकास-क्रम दा अध्ययन-विश्लेशन करदा ऐ।
- (b) भाशा दे कुसै खास समें दे सरूप दा अध्ययन विश्लेशन करदा ऐ।
- (c) गी संरचनात्मक भाशाविज्ञान बी आखदे न।
- (d) च भाशा दे सिर्फ उच्चरत रूप दे अध्ययन गी गै बल दिता जंदा ऐ।

कोड :

- (1) (b), (c) ते (d) ठीक न।
- (2) (a), (c) ते (d) ठीक न।
- (3) (b) ते (c) ठीक न।
- (4) (b) ते (d) ठीक न।

2. **पैहली चंदी** च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा **दूई चंदी** च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I

चंदी-II

- | | |
|---------------------------------------|----------|
| (a) व्याकरणिक प्रत्यय रूपग्राम | (i) न |
| (b) व्युत्पन्न पर प्रत्यय रूपग्राम | (ii) एं |
| (c) व्युत्पन्न पूर्व प्रत्यय रूपग्राम | (iii) म |
| (d) व्युत्पन्न मध्य प्रत्यय रूपग्राम | (iv) ऐला |

कोड :

- | | | | | |
|-----|------|-------|-------|-------|
| | (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) | (ii) | (iv) | (iii) | (i) |
| (2) | (ii) | (iv) | (i) | (iii) |
| (3) | (i) | (iii) | (ii) | (iv) |
| (4) | (iv) | (ii) | (i) | (iii) |



3. रामचंद्र, विमल सरस्वती, भट्टोजि दीक्षित ते बोंपदेव रचनाकारें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :
- (1) प्रक्रिया कौमुदी, रूपमाला, सिद्धांत कौमुदी ते मुग्धबोध
 - (2) मुग्धबोध, सिद्धांत कौमुदी, रूपमाला ते प्रक्रिया कौमुदी
 - (3) सिद्धांत कौमुदी, प्रक्रिया कौमुदी, रूपमाला ते मुग्धबोध
 - (4) रूपमाला, मुग्धबोध, प्रक्रिया कौमुदी ते सिद्धांत कौमुदी

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) भाशा च यादृच्छिकता दा गुण सभाविक होंदा ऐ।

(R) की जे हर भाशा गी एह सुतैतरता नेई जे ओह भाव जां पदार्थ आस्तै अपने भाशा-भाशी समाज च प्रचलित शब्द दा प्रयोग करी सकै।

कोड :

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।
- (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

5. अरस्तू दा समां मन्नेआ जंदा ऐ :

- | | |
|------------------------------|--------------------------------|
| (1) ई.पू. 429 थमां ई.पू. 345 | (2) ई.पू. 384 थमां ई.पू. 322 |
| (3) ई.पू. 469 थमां ई.पू. 399 | (4) ई.सन् 1785 थमां ई.सन् 1863 |

6. डोगरी च विशेशन रूपायन :

- | | |
|------------------------------|---------------------------------|
| (a) सभनें विशेशनं च होंदा ऐ। | (b) लिंग आस्तै होंदा ऐ। |
| (c) वचन आस्तै होंदा ऐ। | (d) कारक ते पुरश आस्तै होंदा ऐ। |

कोड :

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (1) (b) ते (c) ठीक न। | (2) (a) ते (c) ठीक न। |
| (3) (b), (c) ते (d) ठीक न। | (4) (a), (b) ते (c) ठीक न। |



7. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

- | | |
|-------------------|---------------|
| (a) तत्सम उपसर्ग | (i) हमदर्द |
| (b) तद्भव उपसर्ग | (ii) सज्जन |
| (c) देशज उपसर्ग | (iii) कपुत्तर |
| (d) विदेशी उपसर्ग | (iv) सनटब्बरै |

कोड :

- | | | | |
|----------|-------|-------|-------|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (2) (iv) | (ii) | (i) | (iii) |
| (3) (ii) | (iv) | (iii) | (i) |
| (4) (i) | (iii) | (iv) | (ii) |

8. संज्ञा, विशेषण, क्रिया ते क्रियाविशेषण शब्दें दे क्रम दे स्हाबें ई'दे थमां बने दे संबंध-सूचक अव्ययें दा स्हेई क्रम ऐ :

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| (1) मारै, बरुद्ध, बदलै, परैत्त | (2) परैत्त, बदलै, मारै, बरुद्ध |
| (3) बदलै, बरुद्ध, मारै, परैत्त | (4) बरुद्ध, बदलै, परैत्त, मारै |

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी च प्रश्न वाचक सर्वनाम दा प्रयोग भाशा-गत सूखमता दा प्रमाण दिंदा ऐ।

(R) तिर्यक् ते संबंधकारकी रूपें च इसदे अप्राणीवाचक ते प्राणीवाचक प्रयोगें च अपनी टकोहद ऐ। 'कोहदे' ते 'कैहदा' अप्राणीवाचक न ते 'कोहदे' ते 'कोहदा' प्राणीवाचक।

कोड :

- | |
|---|
| (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ। |
| (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई। |
| (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ। |
| (4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ। |

10. 'तेरे जनेह' दे अर्थ च बरतोने आहले शब्द दा स्हेई लिखत रूप ऐ :

- | | | | |
|------------|-------------|--------------|-------------|
| (1) तुमारी | (2) तुसाढ़े | (3) तुम्हारी | (4) तुहमारी |
|------------|-------------|--------------|-------------|



11. कैहदी काहली, कैहदी तौल,
रेह दा केह ऐ स्हाड़े कोल ?
- (a) गजल दे इस शेऽर दे शायर न शिवराम दीप ।
(b) अश्विनी यगोत्रा दी गजल दा शेऽर ऐ ।
(c) 'पूनी-पूनी बट्टी रात' संग्रैह दा शेऽर ऐ ।
(d) 'शबील अगनी दी' गजल संग्रैह दा शेऽर ऐ ।

कोड :

- (1) (a) ते (d) न। (2) (a) ते (c) ठीक न।
(3) (b) ते (c) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।

12. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

- | | |
|----------------------------|----------------|
| (a) गीत-चमुखा संग्रैह | (i) गडीरना |
| (b) कबित्त ते होर काव्यरूप | (ii) की जे |
| (c) दोहा-चमुखा संग्रैह | (iii) सागरमोती |
| (d) कविता-संग्रैह | (iv) तेरे नां |

कोड :

- | | | | |
|------------|------------|------------|------------|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (2) (iv) | (iii) | (i) | (ii) |
| (3) (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (4) (ii) | (i) | (iv) | (iii) |

13. बसन्त राम 'बसंत' गोगाराम साथी, तारा स्मैलपुरी, शम्भुनाथ, कवियें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :
- (1) जीवन लैहरां, भड़ास, हिरखी धागे, हिरखी दीआ ।
(2) हिरखी दीआ, हिरखी धागे, जीवन लैहरां, भड़ास ।
(3) भड़ास, हिरखी धागे, जीवन लैहरां, हिरखी दीआ ।
(4) हिरखी धागे, जीवन लैहरां, भड़ास, हिरखी दीआ ।



14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी कविता-लेखकें च महिलाएं दी संख्या गेनमी-चोनमी रेही ऐ।

(R) इसदा इक कारण 'घर-परिवार ते समाज दे प्रोत्साहन दी कमी नजर औंदी ऐ। दूआ महिलां घर-घृस्ती च रचनात्मक कम्म करियै उस परम सुख गी प्राप्त करी लैंदियां न जिसगी काव्य-शास्त्रियें कविता-लेखन दा प्रमुख उद्देश्श गलाए दा ऐ।

कोड :

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।

(4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

15. "जोराबरें दी चाकरी करदे म्हीने साल,
जुल्में दे न चरक्खड़े माहनू होई गे घाल।"

पंगतियें दे लेखक न :

(1) रामनाथ शास्त्री।

(2) केहरि सिंह मधुकर।

(3) मोहनसिंह सलाथिया।

(4) ओंकार सिंह आवारा।

16. 2002 ब'रे च छपने आहले कहानी-संग्रहें दे नांऽ न :

(a) चीड़ा दी डाहली

(b) न्हेरी रात सनैहरे ध्याड़े

(c) चिट्टा कालर

(d) क्रास फायरिंग

कोड :

(1) (a) ते (d) ठीक न।

(2) (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

17. पैहली चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दिती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

(a) जांगली लोक

(i) दार्शनिक

(b) त्रेह समुन्दर दी

(ii) ऐतिहासिक

(c) वीर जसरथ खोखर

(iii) आंचलिक

(d) ललदयद

(iv) आदर्शवादी

कोड :

(a) (b) (c) (d)

(1) (i) (iii) (ii) (iv)

(2) (iii) (iv) (ii) (i)

(3) (iv) (iii) (i) (ii)

(4) (ii) (iv) (i) (iii)



18. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें 'अद्ध-मझाटै', 'भान', 'लिखत' ते 'सुक्का बरूद' कहानी-संग्रहें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) सुक्का बरूद, भान, लिखत, अद्ध-मझाटै।
- (2) भान, लिखत, अद्ध-मझाटै, सुक्का बरूद।
- (3) लिखत, भान, अद्ध-मझाटै, सुक्का बरूद।
- (4) अद्ध-मझाटै, लिखत, भान, सुक्का बरूद।

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

- (A) बक्खरे बक्खरे सच्च प्रगतिवादी उपन्यास ऐ।
(R) इस उपन्यास च शोशित पात्रें आसेआ शोशन खलाफ संघर्श दस्सेआ गेदा ऐ।

कोड :

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।
- (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

20. 'पीढ़ियें दी पीड़' उपन्यास दे रचनाकार न :

- | | |
|-----------------|----------------------------|
| (1) ओम गोस्वामी | (2) वेद राही |
| (3) शिव महता | (4) देश बन्धु डोगरा 'नूतन' |

21. विश्वनाथ खजूरिया हुंदियां गद्य रचनां न :

- | | |
|--------------------|----------------------------|
| (a) फ्हाड़ी यात्रा | (b) जम्मू दा पुराना रंगमंच |
| (c) लारे | (d) चल मनै देआ मौजिया |

कोड :

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (1) (a), (b) ते (c) ठीक न। | (2) (a), (b) ते (d) ठीक न। |
| (3) (b), (c) ते (d) ठीक न। | (4) (a), (c) ते (d) ठीक न। |



22. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

- (a) प्राचीन दी मैहमा
- (b) कहानी इक सफर दी श्रीनगर थमां लंडन तक
- (c) पक्खरू भाल
- (d) भागरेखा

चंदी - II

- (i) त्रिप-त्रिप चेते
- (ii) सुर धरती दे
- (iii) कंडियारी दे फुल्ल
- (iv) चेते किश खट्टे किश मिट्टे

कोड :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-------|------|-------|-------|
| (1) | (iv) | (ii) | (iii) | (i) |
| (2) | (iii) | (iv) | (i) | (ii) |
| (3) | (ii) | (iv) | (i) | (iii) |
| (4) | (i) | (ii) | (iv) | (iii) |

23. सन् 2009, 2010, 2012 ते 2014 ई. च प्रकाशत होने आहलियें पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) डोगरी गद्य: इक परचोल, सोच, चेतें दियां ग'लियां, सोच तरंगां
- (2) सोच, चेतें दियां ग'लियां, सोच तरंगां, डोगरी गद्य: इक परचोल
- (3) डोगरी गद्य: इक परचोल, सोच तरंगां, सोच, चेतें दियां ग'लियां
- (4) चेतें दियां ग'लियां, डोगरी गद्य: इक परचोल, सोच, सोच तरंगां

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

- (A) आत्मकथा लिखदे बेल्लै लेखक ने आत्म - प्रशंसा कोला बचना चाहिदा ऐ।
- (R) हर भाशा च बडियां घट्ट आत्म कथां लखोई दियां मिलदियां न।

कोड :

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।
- (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्ल ऐ।
- (4) (A) गल्ल ऐ ते (R) ठीक ऐ।

25. नरसिंह देव जम्वाल हुंदा निबंध संग्रैह ऐ :

- (1) खूब सम्हाले भाव छुआले
- (2) विचार मंथन
- (3) कुदरत दे रंग
- (4) भावें दा मंथन



26. 'मलाटी' एकांकी :

- (a) दे रचेता दीनू भाई पंत होर न।
- (b) च मियां डीडो ते गुलाब सिंह पात्तर न।
- (c) दे रचेता नरसिंह देव जम्वाल होर न।
- (d) च मियां डीडो ते महाराजा हरी सिंह पात्तर न।

कोड :

- (1) (a) ते (b) ठीक न। (2) (a) ते (c) ठीक न। (3) (a) ते (d) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।

27. पैहली चंदी च दित्ती दिथें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दिथें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (a) झकदियां किरणां | (i) रेडियाई नाटक |
| (b) रामलीला नाटक | (ii) रेडियो संरूपक |
| (c) इक जन्म होर | (iii) रंगमंची नाटक |
| (d) लैहरां | (iv) एकांकी संग्रैह |

कोड :

(a) (b) (c) (d)

- (1) (iv) (iii) (i) (ii)
(2) (iii) (i) (iv) (ii)
(3) (i) (iii) (ii) (iv)
(4) (ii) (iv) (iii) (i)

28. नाट्य पुस्तकें दे क्रम दे स्हाबें 'चौसर', 'नीलकंठ', 'जोत' ते 'बंजर' दे रचेताएं दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) विश्वनाथ खजूरिया, नरसिंह देव जम्वाल, मदन मोहन, शिव दोबलिया
- (2) नरसिंह देव जम्वाल, मदन मोहन, विश्वनाथ खजूरिया, शिव दोबलिया
- (3) नरसिंह देव जम्वाल, विश्वनाथ खजूरिया, शिव दोबलिया, मदन मोहन
- (4) मदन मोहन, शिव दोबलिया, नरसिंह देव जम्वाल, विश्वनाथ खजूरिया



29. हेठ दो कथन दिसे गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी दे नाटक साहित्य च लोक साहित्य पर आधारित नाटकें दी गिनतरी खासी ऐ।

(R) लोक साहित्य सरबंधी नाटक गै दर्शकें च बड़े मकबूल होंदे न।

कोड :

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।

(4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

30. 'संझाली' नाटक दे रचेता न :

(1) दीनू भाई पंत

(2) रामकुमार अबरोल

(3) विश्वनाथ खजूरिया

(4) नरसिंह देव जम्वाल

31. "कवि गमन मार्ग" परिभाशा :

(a) दण्डी दी ऐ।

(b) भोजराज दी ऐ।

(c) वक्रोक्ति बारै ऐ।

(d) रीति बारै ऐ।

कोड :

(1) (a) ते (b) ठीक न।

(2) (b) ते (c) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न।

(4) (a) ते (c) ठीक न।

32. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

(a) डोगरी साहित्य मेरी नजरी च

(i) नीलाम्बर देव शर्मा

(b) डोगरी साहित्य च युग चेतना

(ii) अर्चना केसर

(c) आधुनिक डोगरी साहित्य-इक परिचे

(iii) वीणा गुप्ता

(d) डोगरी कविता : प्रमुख रुझान

(iv) शशि पठानिया

कोड :

(a) (b) (c) (d)

(1) (ii) (iv) (i) (iii)

(2) (iv) (ii) (i) (iii)

(3) (iii) (iv) (ii) (i)

(4) (i) (ii) (iv) (iii)



33. अनुभावें दे अधार पर हास्से दे भेदें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) हसित, विहसित, अवहसित, स्मित। (2) स्मित, हसित, विहसित, अवहसित।
(3) विहसित, अवहसित, हसित, स्मित। (4) अवहसित, विहसित, स्मित, हसित।

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

- (A) अभिव्यंजनावद दा मुंढला प्रयोग चित्रकला दे संदर्भ च होआ ते पही साहित्य च।
(R) चित्रकला आंगर साहित्य च बी भावें ते विचारें दी अभिव्यक्ति रचनाकार दा उद्देश्य होंदा ऐ।

कोड :

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।
(4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

35. 'ध्वनिचित्र' :

- (1) अलंकार ऐ। (2) ध्वनि दा इक भेद ऐ।
(3) वक्रोक्ति दा इक अंग ऐ। (4) रस दा इस रूप ऐ।

36. फलौहनियां :

- (a) मनुक्खै दी बुद्धि-परख दा बोध करांदियां न।
(b) मनोरंजन दे कत्रै-कत्रै माहनु दे ज्ञान च बी बाद्धा करदियां न।
(c) नेई बुज्झी पाने पर हासोहानी दा शकार बनना पौंदा ऐ।
(d) इ'नें गी गीतडू, रिक्तडियां, बी आखेआ जंदा ऐ।

कोड :

- (1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (a) ते (b) ठीक न।
(3) (b) ते (c) ठीक न। (4) (c) ते (d) ठीक न।



37. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

- | | |
|---|------------------|
| (a) अक्खीं सेकनियां | (i) ऋतु-गीत |
| (b) जली बो जा कंढिया दा बस्सना,
भर दपैहरिया पनिया गी नस्सना | (ii) खुआन |
| (c) माऊ गी निं जुड़दा सरन्हौन,
धिरु दा नांऽ थिं'दी | (iii) लोकविश्वास |
| (d) बारै दी झड़ी तार जे झल्लै,
अट्ट दिन पूरे कदें निं हल्लै। | (iv) मुहावरा |

कोड :

- | | | | |
|-----------|-------|-------|-------|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) (iv) | (i) | (ii) | (iii) |
| (2) (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
| (3) (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (4) (i) | (iv) | (iii) | (ii) |

38. समझ औना, दुआस होना, तक्क रक्खना ते रड़कना अर्थे दे इस क्रम दे स्हाबें इंदे मुहावरें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) अक्खी मैलियां करनियां, अक्खीं खु'ल्लनियां, अक्खीं च चुब्भना ते अक्ख रक्खनी।
- (2) अक्ख रक्खनी, अक्खीं खु'ल्लनियां, अक्खीं मैलियां करनियां ते अक्खीं च चुब्भना।
- (3) अक्खीं खु'ल्लनियां, अक्खीं मैलियां करनियां, अक्ख रक्खनी ते अक्खीं च चुब्भना।
- (4) अक्खीं च चुब्भना, अक्खीं खु'ल्लनियां, अक्खीं मैलियां करनियां ते अक्ख रक्खनी।

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

- (A) गीतडू लोक कत्थां कारकें-बारें दे मुकाबले च लौहकियां गेय कत्थां न।
(R) रूहला दी कूहल, कुञ्जु-चैचलो, गिल्मू-भागां वगैरा गीतडू-कत्थां न।

कोड :

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।
- (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्ल ऐ।
- (4) (A) गल्ल ऐ ते (R) ठीक ऐ।



40. “मास सै सेइयो सैंसें सुखाए

पिंजर रेही गेइयां बो हड्डियां।

मेरे राम बिना मेरे हरि बिना।

दिन निक्के ते रातां बो बड्डियां।” पंगतियां :

- (1) सेआले दे लौहके दिनें ते बड्डियें रातें दा बोध करांदियां न।
- (2) सगुण भगती दा बोध करांदियां न।
- (3) राम दे सगुण रूप दा चित्रण करदियां न।
- (4) राम दे निर्गुण रूप दा परिचे करांदियां न।

41. अनुवाद च स्पष्टीकरण पद्धति दे तैह्त :

- | | |
|--------------------------------|---|
| (a) शब्दानुवाद औंदा ऐ। | (b) योग ते लोपन दा सहारा लैता जाई सकदा ऐ। |
| (c) रूपांतरण सहायक होई सकदे न। | (d) अक्सर भावानुवाद प्रभावत होंदा ऐ। |

कोड :

- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| (1) (a), (b) ते (c) ठीक न। | (2) (a), (b) ते (d) ठीक न। |
| (3) (c) ते (d) ठीक न। | (4) (b) ते (c) ठीक न। |

42. पैहली चंदी च दिती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दिती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

- | | |
|-----------------|----------------------|
| (a) प्रतिमा | (i) किरपा सागर |
| (b) पतालबासी | (ii) बादल सरकार |
| (c) बाकी इतिहास | (iii) मैक्सिम गोर्की |
| (d) मियां डीडो | (iv) भास |

कोड :

- | | | | |
|----------|-------|------|-------|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (2) (iv) | (iii) | (i) | (ii) |
| (3) (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (4) (iv) | (ii) | (i) | (iii) |

43. बलिदान, अक्खर गास, पतझड़ दी अवाज ते गोट्या अनूदित रचनाएं दे इस क्रम दे स्हाबें इ'दी मूल भाशाएं दा क्रम ऐ :

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------------------|
| (1) उड़िया, मराठी, बंगाली ते उर्दू। | (2) उर्दू, बंगाली, मराठी ते उड़िया। |
| (3) बंगाली, मराठी, उर्दू ते उड़िया। | (4) बंगाली, उड़िया, उर्दू ते मराठी। |



44. हेठ दो कथन दिक्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) स्हेई अनुवाद आस्तै स्रोत ते लक्ष्य दौनें भाशाएं दी जानकारी बड़ी जरूरी ऐ।

(R) दौनें भाशाएं दी संस्कृति गी समझे बगैर स्हेई ते सफल अनुवाद होना मुमकन नेई।

कोड :

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्ल ऐ।

(4) (A) गल्ल ऐ ते (R) ठीक ऐ।

45. वृंदावन लाल वर्मा हुंदे 'मृगनयनी' उपन्यास गी डोगरी च अनूदित कीते दा ऐ :

(1) विश्वनाथ खजूरिया ने

(2) वेद घई ने

(3) बी.पी. साठे ने

(4) जगदीश चंद्र साठे ने

46. हेराल्ड लासवेल दे मूजब जनसंचार दे मुख्ब कम्म न :

(a) सूचना-कठेरन ते विश्लेशन

(b) सूचना-प्रसार

(c) सूचना दी व्याख्या

(d) समाजी ज्ञान ते मुल्लें दा संचार

कोड :

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

47. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

चंदी - II

(a) ई मेल

(i) वर्ल्ड वाइड वेब

(b) डोमेन नर्सिंग प्रणाली

(ii) इंटरनेट सेवा

(c) टिन बर्नर ली

(iii) इंटरनेट पते सरबंधी

(d) ट्रांसमिशन कंट्रोल प्रोटोकॉल

(iv) त्रुटि संशोधन दा कम्म

कोड :

(a) (b) (c) (d)

(1) (ii) (iv) (i) (iii)

(2) (iv) (ii) (iii) (i)

(3) (i) (iii) (iv) (ii)

(4) (ii) (iii) (i) (iv)



48. चंद्र भागा, त्रिकुटा, साहित्य दर्पण ते द्विगर्त इ'नें प्रकाशनें ते प्रोग्रामें दे क्रम दे स्हाबें इ'दियें सरपस्त संस्थाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) महिला कालेज, परेड ग्राऊंड, जम्मू, महिला कालेज, गांधी नगर, जम्मू, दूरदर्शन केंद्र, जम्मू ते एम.ए.एम. कालेज, जम्मू
- (2) एम.ए.एम. कालेज, जम्मू, दूरदर्शन केंद्र, जम्मू, महिला कालेज, परेड ग्राऊंड, जम्मू ते महिला कालेज, गांधी नगर, जम्मू
- (3) महिला कालेज, गांधी नगर, जम्मू, दूरदर्शन केंद्र, जम्मू, एम.ए.एम. कालेज, जम्मू ते महिला कालेज, परेड ग्राऊंड, जम्मू
- (4) महिला कालेज, गांधी नगर, जम्मू, एम.ए.एम. कालेज, जम्मू, दूरदर्शन केंद्र, जम्मू ते महिला कालेज, परेड ग्राऊंड, जम्मू

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जनसंचार दे विकास ने भगोलक सीमाएं गी भलेआं खत्म करी दित्ता ऐ।

(R) अस इक - दुए शा दूर रौहदे होई बी जनसंचार दे विश्व च रौहन्ने आं।

कोड :

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दा स्हेई कारण नेई।
- (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

50. भारत च प्रसारण सेवा दा रंभ होआ :

- (1) जनवरी 1899 च
- (2) जुलाई 1927 च
- (3) सितंबर 1932 च
- (4) मेई 1934 च

- o O o -



Space For Rough Work

